हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 05 अंक 22 | लखनऊ शनिवार 06 जून 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

प्रकृति को नुकसान पहुंचाने वाले माफिया से सजग रहें

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से प्रकृति व जलस्रोतों को नुकसान पहुंचाने वाले भूमाफिया, वन माफिया, खनन माफिया व स्मगलरों के प्रति सजग रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सजग नागरिकों का दायित्व है कि मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करें। सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशवासियों को पांच संकल्प भी दिलाए। इसमें एक पेड़ मां के नाम लगाना, शरारती तत्वों व जीव-जंतुओं से पेड़ों की सुरक्षा, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करना और प्रकृति के अनुरूप जीवन शैली अपनाना शामिल है। सीएम ने कटाक्ष किया कोई टोंटी चोरी कर रहा है, कोई पानी बर्बाद कर रहा है, ऐसे लोगों को टोकें। जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाएं, कोशिश हो कि पानी व्यर्थ न हो। सीएम योगी ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान' संगोष्ठी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदर्शनी का अवलोकन किया, बच्चों को चॉकलेट दीं और आमजन को कपड़े के झोले देकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। सीएम ने बच्चों के साथ सेल्फी ली और वृक्ष

कलश में जल भी अर्पित किया। अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि जल है तो कल है, वन है तो जीवन है यानी जीवन चक्र एक-दूसरे के साथ जुड़ा है। फिर भी हमने इसकी सर्वाधिक उपेक्षा की। 40 से ऊपर हर व्यक्ति महसूस करता है कि पर्यावरण के साथ हुए खिलवाड़ की कीमत को दुनिया किस रूप में चुका रही है। 25 वर्ष पहले और वर्तमान मौसम चक्र में एक से डेढ़ महीने का अंतर आ गया। भारत व उत्तर प्रदेश में कृषि आधारित अर्थव्यवस्था है। मौसम चक्र में अंतर से सर्वाधिक प्रभावित किसान होगा। उसकी आमदनी प्रभावित होगी, अतिवृष्टि-अनावृष्टि का सामना करना पड़ेगा। खाद्यान्न संकट खड़ा हो सकता है। असमय घटित होने वाली आपदाएं चेतावनी भी हैं।सीएम योगी ने कहा कि हमारे पूर्वजों व ऋषि परंपरा ने पर्यावरण के प्रति आगाह किया था। हम खुद को धरती मां का पुत्र कहते हैं। लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भगवान राम ने लक्ष्मण जी से कहा ÷अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी÷। अर्थात लंका भले ही सोने की क्यों न हो, लेकिन मुझे यह अच्छी नहीं लगती। जिस मां ने जन्म दिया है, जहां हमने जन्म लिया है, उसके प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन और कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व होना चाहिए। मां व मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। भगवान राम की कही गई बातें आज भी हर भारतीय के लिए प्रासंगिक हैं।सीएम योगी ने कहा कि भौतिक उपलब्धियां क्षणिक हैं। इनकी उपलब्धि तभी तक हैं, जब तक आप निरोग होकर आरोग्यता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहे हैं। पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के ग्रंथों का अवलोकन करें। भारत की परंपरा में हर जीव-जंतु के प्रति हमारे संबंध जोड़े गए हैं। भगवान शंकर के गले में सर्प और सवारी नंदी है। कार्तिकेय की सवारी मोर, गणपति की मूषक और मां भगवती की सवारी शेर है। हर कालखंड में बैल की पूजा और गोमाता को मान्यता दी गई है। वे कृषि प्रधान व्यवस्था का आधार हैं। सर्प को किसान मित्र के रूप में मान्यता दी गई है। यह जीवन चक्र आपस में जुड़ा है।

सीएम ने कुकरैल वन क्षेत्र के शानदार प्राकृतिक वातावरण का जिक्र करते हुए कहा कि वहां और लखनऊ के तापमान में अंतर होता है। लखनऊ में 45 तो कुकरैल में तापमान 40 या उससे कम होगा। प्रकृति की गोद में जो भी आगे बढ़ेगा, वह आरोग्यता के लिए महत्वपूर्ण होगा। हमने कुकरैल से अवैध कब्जे हटाए। आज कुकरैल के किनारे लखनऊ का सबसे शानदार प्राकृतिक दृश्य 'सौमित्र वन' भी दिख रहा है।सीएम ने विश्व पर्यावरण दिवस 2026 की थीम 'इंस्पायर्ड बाई नेचर फॉर क्लाईमेट फॉर अवर फ्यूचर' का जिक्र किया और कहा कि स्वच्छ वायु, निर्मल जल, उपजाऊ भूमि व हरित वन मानव सभ्यता की जीवन रेखा हैं। जब प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानवता सुरक्षित रह पाएगी। जल जीवन मिशन के तहत हर घर में जल व सबमर्सिबल की व्यवस्था हो गई है, लेकिन पहले कुआं खोदना पवित्र कार्य माना जाता था। दस कुओं के बराबर एक बावड़ी, दस बावड़ी के बराबर एक तालाब, दस तालाब के बराबर एक पुत्र और दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है यानी वृक्ष का महत्व सर्वाधिक है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने तीन वर्ष पहले 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का आह्वान किया था। उन्हीं की प्रेरणा से 9 वर्ष में प्रदेश में पौधरोपण के वृहद कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। संकटों का सामना करने के लिए पीएम ने वसुधैव कुटुम्बकम् के अनुरूप 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' का संदेश भी दुनिया को दिया है।

विदिशा मेडिकल कॉलेज में 6-7 जून को निशुल्क कैंसर जांच शिविर : शिवराज

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और विदिशा संसदीय क्षेत्र के सांसद शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को बताया कि क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 6 व 7 जून को विदिशा मेडिकल कॉलेज में विशेष निःशुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर लगाया जायेगा।उन्होंने बताया कि इस शिविर में देश के प्रतिष्ठित टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल, मुंबई के विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ-साथ एम्स भोपाल के विशेषज्ञ चिकित्सक भी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर के दौरान मरीजों को कैंसर स्क्रीनिंग की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आवश्यकता के अनुसार विशेष जांचें भी की जाएंगी, जिससे बीमारी की समय रहते पहचान सुनिश्चित हो सके। साथ ही विशेषज्ञ, परामर्श देकर मरीजों को आगे के उपचार और आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन भी देंगे। मीडिया से बातचीत में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आर्थिक स्थिति और जानकारी के अभाव में कोई भी व्यक्ति बेहतर चिकित्सा सुविधाओं से वंचित न रहे। अक्सर लोग कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के नाम मात्र से भयभीत हो जाते हैं, जबकि जागरूकता, समय पर जांच और सही उपचार के माध्यम से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

भाजपा राज में जनता बुरी तरह परेशानः अखिलेश यादव

लखनऊ, सवांददाता। समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा राज में जनता बुरी तरह परेशान है। महंगाई आसमान छू रही है। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। परीक्षाओं के पेपर बराबर लीक हो रहे हैं। जो परीक्षाएं हो गई उनके परिणाम नहीं आ रहे हैं। उनमें तमाम तरह की अनियमितताएं पाई जाती है। किसान को फसल की लागत भी नहीं मिल रही है। खाद और बीज के लिए वह दर-दर भटक रहा है। डीएपी, एनपीके आदि उर्वरक कालाबाजारी में ही मिलते है। सच तो यह है कि भाजपा सरकार में किसानों की आय दोगुनी हुई नहीं, उसके आश्वासन झूठे ही साबित हुए। जातिवाद और भ्रष्टाचार चरम पर है। थाना-तहसील से लेकर कलेक्ट्रेट तक कहीं किसी की सुनवाई नहीं। मुख्यमंत्री जी बयानवीर बन गए हैं। भीषण गर्मी के इन दिनों में जनता में बिजली के लिए हाहाकार मचा है। भाजपा नेतृत्व किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर पा रही है। जब एक भी बिजली घर भाजपा राज में नहीं बना तो बिजली कहां से मिलेगी? भाजपा राज में एक भी यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ। भाजपा ने लोकतंत्र की गरिमा को नश्ट करने में कोई कर नहीं छोड़ी है। उत्तर प्रदेश में एक तरह से अपराधियों के हाथ में ही मुख्यमंत्री जी के बुलडोजर की चाभी पहुंच गई है। प्रतापगढ़ में पुलिस चौकी के बगल में ही दबंगो द्वारा बुलडोजर चलाकर मकान दुकान गिराना बेहद शर्मनाक है। भाजपा सरकार में अराजकता को संरक्षण मिला हुआ है। अभी गाजीपुर में विश्वकर्मा समाज की एक बेटी के साथ जब अन्याय हुआ तो पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे समाजवादी प्रतिनिधिमंडल पर घेर कर हमला किया गया। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। भाजपा सरकार संरक्षित अवांछित तत्वों के बल पर न्याय मांगने वालों के मुंह बंद करना चाहती है।

बीएसएफ सीमा पर हर चुनौती का कर रही है सामना : शाह

लंकामुड़ा (त्रिपुरा),एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा के लंकामुड़ा स्थित सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की लंकामुड़ा सीमा चौकी (बीओपी) का निरीक्षण किया और सीमा प्रहरियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने अगरतला में पौधरोपण भी किया।इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमें देश को स्मगलिंग, मानव तस्करी, देश के युवाओं को नशे से सुरक्षित करना होगा। नारकोटिक्स हो, मानव तस्करी, हथियारों की स्मगलिंग या ड्रोन की चुनौती, बीएसएफ त्रिपुरा से बंगाल और बिहार तक, सीमा पर हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना कर रही इस दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, केन्द्रीय गृह सचिव, सीमा प्रबंधन और महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे अमित शाह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता, अखंडता और आत्मसम्मान के प्रति समर्पित गुरुजी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भले ही नई पीढ़ी को गुरुजी के प्रत्यक्ष दर्शन का अवसर नहीं मिला, लेकिन उनके विचार आज भी राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए अमित शाह ने कहा कि पौरोपण को केवल सरकारी अभियान नहीं बल्कि जन-आंदोलन और जीवनशैली का हिस्सा बनाना होगा। वर्ष 2019 से अब तक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों द्वारा 7.5 करोड़ से अधिक वृक्ष लगाए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस वर्ष 40 से 60 लाख वृक्ष लगाए जाएंगे, जबकि अगले वर्ष 2 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है। भारत ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उदाहरण प्रस्तुत किया है और पेरिस समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को समय से पहले पूरा किया है। गृह मंत्री ने बीएसएफ की 37वीं वाहिनी में जवानों के आवास का ई- लोकार्पण और बीएसएफ 97वीं वाहिनी में क्वार्टर गार्ड परिसर का ई-शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों की सुविधा बढ़ाने के लिए कई प्रकार के काम किए हैं। जवानों और उनके परिवार के स्वास्थ्य की चिंता और उनके परिवार के रहने के लिए मकान की चिंता भी की है। सीमा सुरक्षा को लेकर अमित शाह ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि बीएसएफ और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा संरक्षित सीमाओं पर जल्द ही स्मार्ट बॉर्डर परियोजना लागू की जाएगी। स्थानीय प्रशासन, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा बलों के समन्वय से सीमाओं को और अधिक सुरक्षित बनाया जाएगा। इस परियोजना का पायलट चरण देश की विभिन्न सीमाओं पर सात से आठ स्थानों पर शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण के लिए 15 वर्ष से पुरानी लगभग 650 किलोमीटर पुरानी सीमा बाड़ के आधुनिकीकरण का कार्य जारी है, जिसमें 119 किलोमीटर नई बाड़ को मंजूरी दी जा चुकी है।

अंडमान में प्राकृतिक गैस का नया भंडार मिला

नई दिल्ली, एजेंसी।केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, अंडमान सागर में ऊर्जा संभावनाओं का विशाल समुद्र और मजबूत हुआ है। श्री विजयपुरम-3 में प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि बेहद उत्साहजनक है। उल्लेखनीय है कि यह खोज श्री विजयपुरम-3नामक खोजी कुएं में हुई है, जो अंडमान द्वीपसमूह के पूर्वी तट से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित है। यह कुआं समुद्र में 355 मीटर गहराई वाले क्षेत्र में ड्रिल किया गया था। कंपनी ने 1900 मीटर से अधिक गहराई तक ईओसीन संरचना में ड्रिलिंग की, जहां शुरुआती परीक्षण के दौरान लगातार गैस फ्लेयरिंग देखी गई। जिससे प्राकृतिक गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

'एक पेड़ मां के नाम' राष्ट्रीय जनआंदोलन बना : जेपी नड्डा

शिलां एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को मेघालय की राजधानी शिलांग में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किये गये 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अब एक राष्ट्रीय जनआंदोलन का रूप ले चुका है।पौधरोपण के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नड्डा ने कहा कि 5 जून, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए इस अभियान का उद्देश्य जनभागीदारी और सामूहिक जिम्मेदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह पहल लोगों को प्रकृति के संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित कर रही है। उन्होंने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में लाखों भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ता इस अभियान के तहत पौधरोपण कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि यह कार्यक्रम माताओं के निस्वार्थ प्रेम, स्नेह, त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए समर्पित है।

दमन तेजी से 'मिनी इंडिया' के रूप में विकसित हो रहा: मोदी

दमन, (एजेंसी)। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को गुजरात के सूरत के बाद दमन पहुंचे, यहां उन्होंने नमो एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन एवं नमो अस्पताल सहित करीब 3,000 करोड़ की 53 विकास परियोजनाओं की सौगात दमनवासियों को दी। इनमें 38 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 15 नई परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य दमन में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार कर समग्र विकास को गति देना है।प्रधानमंत्री के दमन आगमन पर भव्य रोड शो का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क के दोनों ओर खड़े होकर उनका स्वागत किया और मोदी-मोदी के नारों से माहौल गूंज उठा। रोड शो के बाद प्रधानमंत्री ने नाइट मार्केट का भी दौरा किया और स्थानीय गतिविधियों की जानकारी ली। इसके बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दमन तेजी से ÷मिनी इंडिया÷ के रूप में विकसित हो रहा है। यहां देश के विभिन्न हिस्सों के लोग रहते हैं, जो भारत की विविधता और एकता का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने कहा कि दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन-दीव के लोगों ने वर्षों तक विकास का सपना देखा था और अब वह सपना तेजी से साकार हो रहा है।प्रधानमंत्री ने दमन से ही लक्षद्वीप के लिए लगभग ?885 करोड़ की चार महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। इन

परियोजनाओं के तहत कल्पेनी और कदमत द्वीपों में आधुनिक बंदरगाहों का विकास किया जाएगा, जिससे समुद्री संपर्क, पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों और संकटों के बावजूद भारत निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश विकास, सुधार और परिवर्तन की नीति के साथ आगे भी नई उपलब्धियां हासिल करता रहेगा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए हरित ऊर्जा, सौर ऊर्जा और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने की

गुजरात के विकास को मिली नई रफ्तार

मोदी ने 18,778 करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारंभ

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात दौरे के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की कुल 18,778 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास कर राज्य के विकास को नई गति प्रदान की। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्रधानमंत्री ने 16,968 करोड़ की लागत से तैयार और प्रस्तावित 7 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के तहत 7,689 करोड़ की लागत से निर्मित वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेसवे के पैकेज-6 और पैकेज-7 का लोकार्पण शामिल है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग-56 और राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर ?4,732 करोड़ की लागत से बनने वाली चार सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। वहीं, ऊर्जा एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग के तहत ?4,547 करोड़ की लागत से राज्य के ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार परियोजना का भी लोकार्पण किया गया। इसके साथ राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अंतर्गत ?1,810 करोड़ की लागत वाली 19 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। इनमें गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) के तहत ?1,063.43 करोड़ की लागत से भरूच और वलसाड में आठ परियोजनाओं का लोकार्पण शामिल है।प्रधानमंत्री ने सूरत में रीजनल साइंस सेंटर का शिलान्यास भी किया। इसके अलावा पुरानी सिविल अस्पताल परिसर में 100 बिस्तरों वाले उप-जिला अस्पताल, 50 बिस्तरों वाले आयुष अस्पताल तथा 212 करोड़ की लागत से निर्मित 200 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का लोकार्पण किया गया।

रेल मंत्री ने हाइड्रोजन ट्रेन और आधुनिक रखरखाव सुविधाओं का निरीक्षण किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज-शकूरबस्ती रेल खंड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना, अत्याधुनिक रखरखाव सुविधाओं और क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की तथा रेलकर्मियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न विकास परियोजनाओं और प्रगति कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद वह शकूरबस्ती डिपो पहुंचे, जहां उन्होंने आधुनिक तकनीकों और रखरखाव सुविधाओं का निरीक्षण

किया। वैष्णव ने डिपो में स्थापित अत्याधुनिक 'रिट्रेक्टेबल ओएचई' प्रणाली का अवलोकन किया, जिसका उपयोग शेड के भीतर इंजनों और ट्रेनों के सुरक्षित एवं तेज़ रखरखाव के लिए किया जाता है। उन्होंने बोगी पिट और बोगी लिफ्टिंग सुविधाओं का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को कार्यकुशलता बढ़ाने के निर्देश दिए। दौरे का प्रमुख आकर्षण हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना का निरीक्षण रहा। रेल मंत्री ने इस पर्यावरण-अनुकूल तकनीक की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि यह भारतीय रेल को प्रदूषण मुक्त और हरित परिवहन प्रणाली की दिशा में आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रेल मंत्री ने डिपो परिसर में पौधरोपण भी किया। इस मौके पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि रेलवे शत-प्रतिशत विद्युतीकरण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। यह प्रयास देश को नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। निरीक्षण के दौरान वैष्णव ने शकूरबस्ती डिपो में कार्यरत कर्मचारियों, मेंटेनेंस स्टाफ और अन्य रेलकर्मियों से भी सीधे संवाद किया। उन्होंने कर्मचारियों के अनुभव सुने, उनका उत्साहवर्धन किया और उनके दैनिक कार्यों में आने वाली समस्याओं तथा चुनौतियों की जानकारी ली। कर्मचारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए रेल मंत्री ने मौके पर मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध और त्वरित समाधान के निर्देश दिए। कर्मचारियों की कार्य परिस्थितियों में सुधार और उनकी समस्याओं का शीघ्र निवारण रेलवे की प्राथमिकता है इस दौरान उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, दिल्ली मंडल के रेल प्रबंधक (डीआरएम), रेलवे बोर्ड तथा उत्तर रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

खान सर के खिलाफ हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज, पुलिस की जांच जारी

पटना, एजेंसी। राजधानी पटना में चर्चित शिक्षक और कोचिंग संचालक खान सर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। कदमकुआं थाना में उनके खिलाफ हत्या की कोशिश और शस्त्र अधिनियम (आर्म्स एक्ट) से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा दर्ज मामले के बाद पूरे घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया है और जांच एजेंसियां मामले की विस्तृत पड़ताल में जुट गई हैं।पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला खान सर के सुरक्षा गार्डों के बयान के आधार पर दर्ज किया गया है। गार्डों ने कथित रूप से पुलिस को बताया कि उन्हें गोली चलाने के लिए कहा गया था और आश्वस्त किया गया था कि आगे की स्थिति संभाल ली जाएगी। इसी बयान के आधार पर पुलिस ने खान

सर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 109 सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच के दौरान एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें खान सर की कोचिंग के बाहर सुरक्षा कर्मियों द्वारा हवाई फायरिंग किए जाने के संकेत मिले हैं। वीडियो और अन्य साक्ष्यों के सत्यापन के बाद पुलिस ने दोनों गार्डों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में हवाई फायरिंग की पुष्टि होने के बाद कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।इस बीच कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर पुलिस मुख्यालय और महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय स्तर पर उच्चस्तरीय बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में पूरे मामले की समीक्षा की गई तथा स्थिति पर लगातार नजर रखने का निर्णय लिया गया। पुलिस ने छात्रों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है।

-: **ललित गर्ग**:-
****

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं।

ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है। भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है।

इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे।

संम्पादकीय

अनियंत्रित पर्यटन से त्रस्त नैनीताल

विश्व विख्यात हिल स्टेशन नैनीताल में मनुष्य से अधिक दोपहिया और चौपहिया वाहनों का रेला उमड़ने लगा है। वाहनों की अनियंत्रित और बेतहाशा भीड़ के चलते नगर की सांसें थम सी गईं हैं। अपनी क्षमता से कई गुना अधिक बोझ ढो रही नगर की सभी सड़कें और गलियां दोपहिया और चौपहिया वाहनों से पट सी गईं हैं। सामान्य आवागमन भी बाधित हो गया है। पैदल चलने को रास्ते नहीं बचे हैं। नगर का हरेक कोना और पैदल रास्ते गाड़ियों से पट गए हैं। नगर में यत्र, तत्र, सर्वत्र जाम लगना आम बात हो गई है। हालात इस कदर खराब हो चुके हैं कि आम आदमी के लिए पैदल चलने की जगह ही नहीं बची है।पहले पर्यटन सीजन के दिनों कभी-कभार ऐसी स्थिति आती थी। अब यह समस्या बारहमासी हो गई है। सुंदर प्राकृतिक झील, अनुपम सौंदर्य और स्वास्थ्यवर्धक जलवायु के मद्देनजर 183 वर्ष पूर्व अंग्रेजों ने नैनीताल नगर की बसावट शुरू की थी। औपनिवेशिक शासक नैनीताल की तुलना यूरोपीय देशों से करते थे। नैनीताल का स्वच्छ और शुद्ध वातावरण एवं आबोहवा को अच्छे स्वास्थ्य के लिए आदर्श माना जाता था। अंग्रेजी शासनकाल में नैनीताल को 'कंट्री रिट्रीट' कहा जाता था। अंग्रेज यहां के पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का विशेष खयाल रखते थे। तब नैनीताल की सुंदरता, शांति और सुरक्षा, विश्व विख्यात थी। आज यह सब खतरे में हैं। वर्तमान में नैनीताल ध्वनि एवं वायु प्रदूषण के चपेट में है। नैनीताल जब बसा तब आने-जाने के लिए रास्तों की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब कालाढूंगी से पैदल नैनीताल आया जाता था। कालांतर में पुरुषों के लिए घोड़ों की सवारी और महिला यात्रियों के लिए डांडी की व्यवस्था बनाई गई।यात्रियों का सामान ढोने के लिए कुलियों का प्रबंध था। करीब चार दशक तक यह व्यवस्था बनी रही। इसी दरम्यान नैनीताल एक सुव्यवस्थित नगर के रूप में बसा और सजा- संवरा। उस दौर में मैदानी इलाकों की गर्मियों के थपेड़ों से बचने और विशुद्ध हवा की ठंडी बयार में स्वच्छंद भ्रमण के लिए सैलानी नैनीताल आते थे। 1862 में नैनीताल नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज आगरा एंड अवध की ग्रीष्मकालीन राजधानी बना। 24 अक्टूबर, 1884 को काठगोदाम रेल यातायात से जुड़ा। इसके बाद यात्रीगण काठगोदाम से ज्योलीकोट- ब्रेबरी होते हुए पैदल नैनीताल पहुंचने लगे। 1893 में नैनीताल तक तांगे पहुंच गए। अविभाजित भारत के सबसे बड़े ओहदेदार वॉयसरॉय, नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सेना और प्रशासन के आला अफसरान तांगों में बैठकर नैनीताल पहुंचने लगे। 1915 के आसपास मोटर मार्ग बनने के बाद काठगोदाम से नैनीताल तक मोटर लॉरी चलने लगी। लॉरी तल्लीताल तक ही आ सकती थी। नैनीताल के लचीले एवं भंगुर पर्यावरण और स्थानीय विशिष्टाओं के मद्देनजर नगर के भीतर यांत्रिक यातायात नहीं था। डांडी, झम्पानी, घोड़े और हाथ रिक्शा ही यातायात के एकमात्र मुख्य साधन थे। नगर के बाहरी हिस्से में साइकिल चलाने के लिए नगर पालिका से लाइसेंस लेना अनिवार्य था। कार्ट रोड (नैनीताल-हल्द्वानी मार्ग) और डिपो रोड (नैनीताल-भवाली मार्ग) में ही साइकिल चलाने की इजाजत दी जाती थी।

आर्थिक, विकास और पारदर्शिता का नया मॉडल बनता उत्तर प्रदेश

जयेन्द्र सिंह
****

उत्तर प्रदेश आज आर्थिक प्रगति, पारदर्शी प्रशासन और तकनीक आधारित सुशासन के जिस नए युग में प्रवेश कर चुका है, वह देश के लिए एक प्रेरक उदाहरण बनता जा रहा है। कभी धीमी आर्थिक गति और सीमित औद्योगिक विस्तार के लिए पहचाना जाने वाला प्रदेश अब देश की विकास यात्रा का सबसे मजबूत इंजन बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने जिस प्रकार कर प्रशासन, राजस्व वृद्धि और व्यापारिक वातावरण में व्यापक परिवर्तन किए हैं, उसने प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर कर दिया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्तर प्रदेश द्वारा जीएसटी और वैट मद में 1,15,977 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करना प्रदेश की मजबूत आर्थिक संरचना और प्रभावी कर व्यवस्था का प्रमाण है। जीएसटी संग्रह के मामले में देश में दूसरा स्थान प्राप्त करना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि प्रदेश की बढ़ती आर्थिक गतिविधियों, विस्तारित व्यापारिक दायरे और निवेशकों के बढ़ते विश्वास का परिणाम है। महाराष्ट्र के बाद देश में उत्तर प्रदेश का दूसरा स्थान प्राप्त करना, यह प्रदर्शित करता है कि अब प्रदेश केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं, बल्कि आर्थिक क्षमता के आधार पर भी राष्ट्रीय परिदृश्य में अग्रणी बन चुका है। उत्तर प्रदेश आज 21.82 लाख सक्रिय जीएसटी करदाताओं के साथ देश का सबसे बड़ा करदाता राज्य बन गया है। यह उपलब्धि इस बात का संकेत है कि प्रदेश में व्यापार और उद्योग का वातावरण लगातार मजबूत हुआ है। छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए सरल और भरोसेमंद व्यवस्था विकसित होने से नए व्यापारियों का दायरा तेजी से बढ़ा है। जीएसटी पंजीकरण की औसत अवधि प्रदेश में केवल 08 दिन है, जबकि राष्ट्रीय औसत 14 दिन है। इससे स्पष्ट है कि उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को केवल नीतिगत घोषणा नहीं रहने दिया, बल्कि उसे व्यवहारिक रूप से लागू भी किया है। प्रदेश में कर प्रशासन को तकनीक आधारित और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। डेटा आधारित निगरानी, एआई आधारित विश्लेषण और डिजिटल मॉड्यूल के प्रयोग ने कर व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाया है। 16 पैरामीटर पर आधारित विश्लेषण प्रणाली के माध्यम से लाखों वार्षिक रिटर्नों का परीक्षण किया जा रहा है। इससे टैक्स चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है और राजस्व वृद्धि को नई गति मिली है। वर्ष 2025-26 में 1.33 लाख डीलरों की स्क्रूटनी के दौरान 2,369 करोड़ रुपये की मांग सृजित होना और 345 करोड़ रुपये की वसूली होना यह दर्शाता है कि प्रदेश में तकनीक आधारित टैक्स प्रशासन बड़ी मजबूती से कार्य कर रहा है। फर्जी फर्मों और बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट के विरुद्ध की गई कार्रवाई ने भी उत्तर प्रदेश को देश के सबसे सख्त और प्रभावी कर प्रशासन वाले राज्यों में शामिल किया है। 477 मामलों में एफआईआर दर्ज होना और 168 गिरफ्तारियां यह साबित करती हैं कि प्रदेश सरकार ईमानदार व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। 180 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट ब्लॉक की गई तथा न्यायिक कार्रवाई के माध्यम से 2,250 करोड़ रुपये की मांग सृजित हुई। यह केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि आर्थिक अनुशासन और पारदर्शिता की स्थापना का मजबूत संदेश है। उत्तर प्रदेश में रिफंड व्यवस्था को भी अत्यंत तेज और प्रभावी बनाया गया है। जहां राष्ट्रीय स्तर पर जीएसटी रिफंड की औसत अवधि 48 दिन है, वहीं उत्तर प्रदेश में यह अवधि केवल 27 दिन है। इससे व्यापारियों की कार्यशील पूंजी सुरक्षित रहती है और व्यापारिक गतिविधियों को निरंतर गति मिलती है। प्रदेश में 22 कॉर्पोरेट सर्किलों में वर्चुअल सुनवाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे व्यापारियों को अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिली है। यह व्यवस्था डिजिटल गवर्नेंस की दिशा में उत्तर प्रदेश की आधुनिक सोच को प्रदर्शित करती है। प्रदेश के विभिन्न जोनों में राजस्व वृद्धि के आंकड़े उत्तर प्रदेश की आर्थिक गतिशीलता को और अधिक मजबूत करते हैं। गौतमबुद्ध नगर, सहारनपुर, वाराणसी और मुरादाबाद जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि यह बताती है कि विकास अब केवल चुनिंदा शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्रदेश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंच चुका है। औद्योगिक निवेश, व्यापारिक विस्तार और सुगम प्रशासन के कारण उत्तर प्रदेश आज देश के सबसे आकर्षक आर्थिक गंतव्यों में शामिल हो चुका है। उत्तर प्रदेश की यह आर्थिक उपलब्धि केवल आंकड़ों की कहानी नहीं है, बल्कि सुदृढ़, सुशासन, पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और जनविश्वास का परिणाम है। प्रदेश सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि नीति स्पष्ट हो, प्रशासन संवेदनशील हो और तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जाए, तो विकास और पारदर्शिता दोनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में बढ़ता उत्तर प्रदेश आज नए भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास का सबसे मजबूत प्रतीक बन चुका है।

प्रदेश में कर प्रशासन को तकनीक आधारित और अधिक पारदर्शी बनाने की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हुआ है। डेटा आधारित निगरानी, एआई आधारित विश्लेषण और डिजिटल मॉड्यूल के प्रयोग ने कर व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाया है। 16 पैरामीटर पर आधारित विश्लेषण प्रणाली के माध्यम से लाखों वार्षिक रिटर्नों का परीक्षण किया जा रहा है। इससे टैक्स चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है और राजस्व वृद्धि को नई गति मिली है। वर्ष 2025-26 में 1.33 लाख डीलरों की स्क्रूटनी के दौरान 2,369 करोड़ रुपये की मांग सृजित होना और 345 करोड़ रुपये की वसूली होना यह दर्शाता है कि प्रदेश में तकनीक आधारित टैक्स प्रशासन बड़ी मजबूती से कार्य कर रहा है। फर्जी फर्मों और बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट के विरुद्ध की गई कार्रवाई ने भी उत्तर प्रदेश को देश के सबसे सख्त और प्रभावी कर प्रशासन वाले राज्यों में शामिल किया है।

आज का राशिफल

निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।	संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।
आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।	बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।	महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।	परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।	राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।	आवोश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

क्रांति के दौर में इस्लामिक सिद्धांत और मसाइलें

सैय्यद जाहिद अली रियासत
****

देश और दुनिया परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं ,वर्तमान युग में आविष्कारों, नवाचारों और खोजों ने दुनिया में एक बड़ी क्रांति ला दी है। नए उपकरण और सुविधाएँ निरंतर सामने आ रही हैं। ये विकास स्पष्ट रूप से मानव जीवन को आराम और सुविधा प्रदान करने के लिए किए गए हैं। लेकिन समाज पर उनका सकारात्मक प्रभाव तभी संभव है जब उनका सही और जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग किया जाए। उनके हानिकारक पहलुओं से बचना आवश्यक है ताकि समाज को किसी प्रकार की क्षति न पहुँचे और देश इस नई क्रांति का सदुपयोग कर सके, हम यदि वर्तमान परिस्थितियों का अवलोकन करें, तो यह स्पष्ट होता है कि समाज में संकीर्ण सोच, स्वार्थ और व्यक्तिगत हितों की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। ये समस्याएँ केवल किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि लगभग हर क्षेत्र में मौजूद हैं। ऐसी मानसिकता धीरे-धीरे सामाजिक संतुलन और शांति को प्रभावित कर रही है। आज अनेक लोग आधुनिक संसाधनों का उपयोग शक्ति और प्रभुत्व प्रदर्शित करने के लिए कर रहे हैं, जिससे जनहित और राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुँच रहा है।समाज की नकारात्मक छवि बन रही है , मानवता आधुनिक विकासों से वास्तविक लाभ तभी प्राप्त कर सकती है जब उनके रचनात्मक और सकारात्मक पहलुओं को अपनाया जाए। इसके साथ एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयाम भी जुड़ा हुआ है। जब भी कोई नया प्रश्न या आविष्कार सामने आता है, तो एक विचारशील व्यक्ति स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न करता है कि उसका धर्म से क्या संबंध है? क्या वह धार्मिक शिक्षाओं के अनुसार वैध है या नहीं? इस संदर्भ में इस्लामी विधिवेत्ताओं (फ़ुक़हा) ने कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांत प्रस्तुत किए हैं। उनका अध्ययन करने से यह समझा जा सकता है कि आधुनिक मुद्दों से निपटने में धर्म किस प्रकार मार्गदर्शन प्रदान करता है। मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने नए प्रश्नों के समाधान के लिए तीन प्रमुख सिद्धांतों की व्याख्या की है। पहला सिद्धांत यह है कि जब किसी नए मुद्दे का स्पष्ट उल्लेख क़ुरआन, हदीस या पूर्ववर्ती फ़िक़्ही मतों में न मिले, तो इस्लाम के सामान्य सिद्धांतों को लागू किया जाए। इस प्रक्रिया को *इज्तिहाद* कहा जाता है, विशेष रूप से *तहक़ीक़ अल-मनात*। इज्तिहाद के तीन चरण होते हैं- किसी हुक्म के कारण की पहचान करना, उसे परिष्कृत करना और उसे नई परिस्थितियों पर लागू करना। विद्वानों ने कहा है कि यद्यपि इज्तिहाद के कुछ रूप सीमित हो गए हैं, लेकिन इसका यह तीसरा प्रकार क़यामत तक जारी रहेगा। अनेक आधुनिक मुद्दे इसी श्रेणी में आते हैं, जैसे यह प्रश्न कि चुनावों में मतदान करना इस्लाम की पारंपरिक राजनीतिक सहभागिता की अवधारणाओं के समान माना जा सकता है या नहीं। दूसरा सिद्धांत यह है कि आधुनिक विकास–जैसे उन्नत संचार व्यवस्था, वैश्विक संपर्क, जटिल व्यावसायिक प्रणालियाँ, बैंकिंग, बीमा और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएँ–ने नई वास्तविकताएँ पैदा कर दी हैं। केवल इनमें ब्याज या अनिश्चितता जैसे तत्व पाए जाने के कारण इन्हें अवैध घोषित कर देना पर्याप्त नहीं है। इसके बजाय, विद्वानों को क़ुरआन और सुन्नत की रूपरेखा के भीतर रहते हुए इनके इस्लामी विकल्प विकसित करने चाहिए। यह इसलिए आवश्यक है ताकि यह सिद्ध किया जा सके कि इस्लामी कानून हर युग के लिए प्रासंगिक है और बदलती परिस्थितियों का मार्गदर्शन करने में सक्षम है। दुर्भाग्यवश, आज बहुत से लोग आधुनिक मुद्दों पर बिना पर्याप्त विचार किए या इस्लामी शिक्षाओं के भीतर विकल्प तलाशे बिना ही त्वरित निर्णय दे देते हैं। यह न केवल इस्लाम की मूल भावना के विरुद्ध है बल्कि उसकी छवि को भी नुकसान पहुँचाता है। इसलिए विद्वानों को चाहिए कि वे गहराई से विचार करें, अन्य विशेषज्ञों से परामर्श लें और जल्दबाज़ी में निर्णय लेने से बचें, ताकि उनका मार्गदर्शन भ्रम और अशांति के बजाय स्पष्टता और लाभ प्रदान करेविश्वसनीय संस्थानों और योग्य विद्वानों से परामर्श करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सामान्य व्यक्तियों या पर्याप्त ज्ञान न रखने वालों पर धार्मिक मार्गदर्शन के लिए निर्भर नहीं होना चाहिए। तभी धर्म का सही प्रतिनिधित्व संभव हो सकेगा। तीसरा सिद्धांत यह है कि यदि किसी विशेष परिस्थिति में किसी एक फ़िक़्ही मत (जैसे हनफ़ी मत) का पालन करने से वास्तविक कठिनाई उत्पन्न होती है, तो आवश्यकता होने पर इस्लामी न्यायशास्त्र के अन्य मतों से भी लाभ उठाया जा सकता है। विद्वानों ने इस लचीलेपन को स्वीकार किया है और यह व्यावहारिक समस्याओं के समाधान में सहायक सिद्ध होता है। वर्तमान स्थिति पर दृष्टि डालने से स्पष्ट होता है कि सांप्रदायिक कठोरता ने धर्म को अनावश्यक रूप से कठिन बना दिया है। अनेक तथाकथित धार्मिक नेताओं में धर्म और समकालीन परिस्थितियों की सही समझ का अभाव है। परिणामस्वरूप, वे कभी-कभी लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए गलत बयान भी दे देते हैं। धर्म को कठोर सांप्रदायिक सीमाओं में बाँट देने से गंभीर नुकसान हुआ है।

गुजरात में खुफिया इनपुट के बाद ताबड़तोड़ छापेमारी, एक ही दिन में दबोचे गए 500 से ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठिए

गांधीनगर । गुजरात में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ राज्य सरकार और पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी और निर्णायक कार्रवाई की है। 'ऑपरेशन डेल्टा हंट' के तहत पुलिस ने राज्य के अलग-अलग हिस्सों में ताबड़तोड़ छापेमारी करते हुए 500 से ज्यादा अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि इनमें से ज्यादातर घुसपैठियों ने पश्चिम बंगाल की सीमा के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया था। इस महाअभियान की सफलता पर राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने सख्त लहजे में कहा कि गुजरात के हर कोने से एक-एक घुसपैठिए को ढूंढ निकाला

जाएगा, उन्हें कानून के दायरे में लाकर वापस बांग्लादेश डिपोर्ट (निर्वासित) किया जाएगा।

6,200 संदिग्धों का डेटाबेस तैयार, ऐसे बिछाया गया जाल

गुजरात पुलिस ने इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए बेहद हाई-टेक और वैज्ञानिक तरीका अपनाया। जांच में सामने आया है कि पुलिस ने बांग्लादेशी मोबाइल नंबरों के संपर्क में रहने वाले भारतीय सिम कार्डों और मोबाइल नंबरों का एक विशाल डेटाबेस तैयार किया था। इस डेटा एनालिसिस के जरिए पुलिस को 6,200 से अधिक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों के बारे में बेहद सटीक और पुख्ता जानकारियां हाथ लगीं। इसी खुफिया इनपुट के आधार पर गुरुवार सुबह 10 बजे तक राज्य भर से 501 अवैध नागरिकों को दबोच लिया गया।

फर्जी पहचान पत्र बनाने वाले गिरोह पर कड़ा शिकंजा

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल ने मीडिया को इस ऑपरेशन की चौंकाने वाली जानकारियां दीं। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद से गिरफ्तार किए गए 166 लोगों में से एक बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है, जिन्होंने भारत में अवैध रूप से रहने के लिए फर्जी सरकारी पहचान पत्र और दस्तावेज तैयार करवा लिए थे। पुलिस अब इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि इन विदेशी घुसपैठियों को भारत के फर्जी दस्तावेज मुहैया कराने के पीछे कौन सा बड़ा रैकेट काम कर रहा था और इसके स्थानीय मददगार कौन हैं।

30 टीमों ने घेरकर चलाया सर्च ऑपरेशन, अब होगी देश से बाहर भेजने की तैयारी

इस महा-ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए अहमदाबाद क्राइम ब्रांच, साइबर ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (स्क्वॉड) और स्थानीय पुलिस थानों की 30 से ज्यादा विशेष टीमों का गठन किया गया था। टीमों ने एक साथ नरोदा, दानिलिमदा, वटवा, जुहापुरा और चंदोला झील जैसे संवेदनशील इलाकों को घेरकर सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस के मुताबिक, पिछले साल चंदोला झील के पास हुई कार्रवाई के बाद कई घुसपैठिये वहां से भागकर शहर के दूसरे इलाकों में छिप गए थे, जिन्हें इस बार तकनीकी सर्विलांस की मदद से दबोच लिया गया। अधिकारियों ने साफ किया है कि फिलहाल सभी आरोपियों की राष्ट्रीयता और दस्तावेजों का सत्यापन किया जा रहा है, जिसके तुरंत बाद इन्हें

संक्षिप्त समाचार

अंकारा हवाई अड्डे पर पेगासस एयरलाइंस के विमान में धुआं उठा, यात्रियों को स्लाइडर से उतारा

अंकारा। तुर्की के अंकारा हवाई अड्डे पर शुक्रवार को बड़ा विमान हादसा टल गया। यहां अंकारा से इजमिर जा रही पेगासस एयरलाइंस के विमान में अचानक धुआं निकलने लगा, जिसके बाद यात्रियों को स्लाइडर से उतारा गया। बताया जा रहा है कि विमान के अंदर एक यात्री ने पावर बैंक चार्ज पर लगाया था, जिसमें शॉर्ट-सर्किट के बाद धुआं उठा था। घटना के समय विमान उड़ान भरने के लिए रनवे की ओर बढ़ रहा था।घटना के बाद सभी यात्रियों को स्लाइडर की मदद से नीचे उतारा गया। इस दौरान किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है। हवाई अड्डा अधिकारियों ने विमान की जांच की तो पाया कि केबिन के अंदर धुएं के निशान होने के साथ पावर बैंक के अंदर आग लगने के भी संकेत मिले हैं। घटना ने विमानों में लिथियम-आयन बैटरी उपकरणों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं को उजागर किया है। उपकरण को हटा दिया गया है।तुर्की के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने उड़ान सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2025 में विमानों में पोर्टेबल पावर बैंक चार्ज करने पर प्रतिबंध लगा दिया था। उसने ऐसे उपकरणों को विमान में ले जाने पर भी प्रतिबंध लगाया है। हालांकि, उसे चेक-इन बैगेज में ले जा सकते हैं। बता दें, पावर बैंक से विमान के अंदर धुआं उठने की कई खबरे सामने आ चुकी हैं। पिछले दिनों हैदराबाद से चंडीगढ़ की इंडिगो उड़ान में भी ऐसा मामला सामने आया था।

पुतिन ने भारत को 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान की

पेशकश की, बोले- तकनीक भी देंगे

मॉस्को। भारत अपनी वायुसेना के लिए 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान के लिए विकल्प तलाश रहा है। अब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सुखोई एसयू-57 लड़ाकू विमान को लेकर भारत के सामने बड़ा प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि रूस उन्नत स्टील्थ क्षमताओं से लैस एसयू-57 का भारत के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करने के लिए तैयार है। पुतिन ने ये भी कहा कि वे विमान से जुड़ी तकनीकों को भी भारत के साथ साझा करेंगे।सेंट पीटर्सबर्ग में पुतिन ने कहा, जहां तक एसयू-57 की बात है, हमने अपने भारतीय दोस्तों को प्रस्ताव दिया था, हम इस 5वीं पीढ़ी की तकनीक पर मिलकर काम करने को तैयार हैं। मुझे लगता है कि यह दुनिया में सबसे बेहतरीन है। यह विमान हमारी संयुक्त परियोजना हो सकता है। हम भारत को यह विमान उपलब्ध कराने और इसका विकास जारी रखने के लिए तैयार हैं। हमें कोई समस्या या सीमा नहीं है।भारत ने पहले एसयू-57 में दिलचस्पी दिखाई थी, लेकिन 2018 में वायुसेना ने कदम पीछे खींच लिए थे। बताया गया था कि यह विमान उसकी जरूरतों को पूरा नहीं करता। हालांकि, हाल में ऐसी कई रिपोर्टें आई हैं कि भारत इस विमान को खरीदने पर फिर से विचार कर रहा है। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत 40 से 50 एसयू-57 खरीदने की योजना बना रहा है, लेकिन अभी कुछ पुष्टि नहीं हुई है।एसयू-57 19.8 मीटर लंबा और 4.74 मीटर ऊंचा सिंगल सीट विमान है। 18,000 किलोग्राम वजनी ये विमान अपने साथ 35,000 किलोग्राम वजन लेकर उड़ान भर सकता है। ये 2,100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से एक बार में 3,500 किलोमीटर की दूरी तय करने में सक्षम है। नाटो में इसे फेलन नाम से जाना जाता है और इसे अमेरिका के एफ-35 और चीन के जे-10 विमानों का प्रतिद्वंद्वी माना जाता है।सुखोई की वेबसाइट के अनुसार, एसयू-57 पूरी तरह से नए कॉम्प्लेक्स

महिला सहकर्मी की चाकू मारकर हत्या, आरोपी ने खुद भी आत्महत्या का प्रयास किया

मोहाली । पंजाब के मोहाली जिले के फेज-11 स्थित एक निजी कार्यालय में एक महिला कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक ने अपनी महिला सहकर्मी पर चाकू से हमला कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद की भी जान लेने की कोशिश की। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां महिला की मौत हो गई, जबकि आरोपी का उपचार जारी है।जानकारी के अनुसार, फेज-11 स्थित एक कार्यालय में हरजिंदर सिंह मान नामक युवक ने अपनी महिला सहकर्मी पर कथित तौर पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपी उन्हें धमकाता रहा और महिला पर हमला करता रहा। पूरी घटना कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में आरोपी पहले अपनी डेस्क पर बैठी महिला पर हमला करता दिखाई देता है। महिला बचने के लिए वहां से भागने का प्रयास करती है, लेकिन आरोपी उसका पीछा कर उस पर लगातार चाकू से वार करता है।हमले के बाद आरोपी ने भी आत्महत्या का प्रयास किया। दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। वहीं, आरोपी अस्पताल में भर्ती है और उसका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दोनों पिछले तीन वर्षों से एक ही कंपनी में कार्यरत थे। आरोपी हरजिंदर सिंह मान पटियाला के रतन नगर का निवासी बताया जा रहा है।

मामले की जांच कर रही पुलिस को शुरुआती स्तर पर कुछ ऐसे संकेत मिले हैं कि ये मामला दोनों के प्रेम-संबंधों से भी जुड़ा हो सकता है। बताया जा रहा है कि दोनों एक निजी कूरियर कंपनी में साथ काम करते थे। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, दोनों के बीच पहले नजदीकी संबंध थे, जो बाद में समाप्त हो गए थे। यह भी कहा जा रहा है कि आरोपी इस स्थिति को स्वीकार नहीं कर पा रहा था। हालांकि, घटना के पीछे की वास्तविक वजह का पता पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। पुलिस की ओर से अभी तक कोई

प्रधानमंत्री मोदी पर दबाव डालना नुकसानदेह, ऐसी कोशिशें बेकार होंगी, पुतिन का आपसी रिश्तों पर बड़ा बयान

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत और पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उसे एक महान देश बताया. इसके साथ-साथ उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति का बचाव किया. उन्होंने रूस के साथ सहयोग को लेकर भारत पर दबाव बनाने की अमेरिका की कोशिशों पर मजाक उड़ाते हुए कहा कि ऐसे कदम आपसी और अंतरराष्ट्रीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक हैं.

पुतिन ने आगे कहा कि भारत के अमेरिका के संबंधों से रूस के संबंधों को कोई नुकसान नहीं पहुंचता है. सेंट पीटर्सबर्ग इकोनॉमिक फोरम में मीडिया को संबोधित करते हुए पुतिन ने कहा कि हमें खुशी है कि भारत सभी देशों के साथ अपने रिश्ते बेहतर कर रहा है. यह एक महान देश है. सबसे बड़े लोकतंत्र और बढ़ती अर्थव्यवस्था की तारीफ करते हुए पुतिन ने कहा कि यह स्वाभाविक है कि वह (भारत) अपनी अर्थव्यवस्था को उन देशों के साथ अपने हितों के

अनुसार विकसित करे जिन्हें वह जरूरी समझता है.

उन्होंने आगे कहा कि जब रूस के साथ सहयोग की बात आती है तब अमेरिका भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता है. पुतिन ने कहा कि नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय और द्विपक्षीय संबंधों के लिए नुकसानदायक है. इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह दबाव कौन डालता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने ऐसी कोशिशें बेकार हैं. उन्होंने आगे बताया कि कैसे भारत और मॉस्को के बीच खास स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप है. मैं इस रिश्ते को ऐसे ही बताता हूं. यह कल या एक या पांच साल पहले नहीं हुआ. यह कुछ ऐसा है जिस पर हम दशकों से काम कर रहे हैं.

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि 1947 में, जब सोवियत संघ ने भारतीय गणराज्य के साथ डिप्लोमैटिक संबंध बनाए, तब से हम एक नए देश, एक नए आजाद देश की स्थापना में मदद करने के लिए सब कुछ कर रहे हैं. मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि भारतीय लोगों की कड़ी मेहनत और टैलेंट की वजह से, भारत ने अपने विकास में बड़ी और जरूरी उपलब्धियां हासिल की हैं. उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आने वाले दिनों में भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय बिजनेस 100 अरब अमेरिकी डॉलर के पार होगा.

पुतिन ने कहा कि भारत और रूस दोनों देश मिलकर सिर्फ एनर्जी और परमाणु एनर्जी तक सीमित नही है. हमलोग नए सेक्टर में भी काम करने की प्लानिंग कर रहे हैं. वहीं, भारत के रुख की बात करें तो उसका रुख साफ है कि देशहित में जो फैसला सही होगा, वही लिया

पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 300 किलो गांजा बरामद, तीन अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

रायगढ़, ,। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लैलूंगा पुलिस ने उड़ीसा से मध्यप्रदेश ले जाई जा रही करीब 300 किलोग्राम गांजा की खेप जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान दो लग्जरी वाहन और मोबाइल फोन सहित कुल 1 करोड़ 86 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, उड़ीसा के सोनपुर क्षेत्र से भारी मात्रा में गांजा मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले भेजे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देश पर लैलूंगा पुलिस ने विभिन्न मार्गों पर नाकेबंदी कर सघन जांच अभियान शुरू किया।कटकलिया मार्ग पर घेराबंदी के दौरान एक इनोवा क्रिस्टा और मारुति सुजुकी एक्सएल-6 को रोककर जांच की गई। जांच के दौरान इनोवा वाहन में दो अलग-अलग नंबर प्लेट लगी मिलीं, जिससे पुलिस का संदेह और गहरा गया। तलाशी लेने पर दोनों वाहनों से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।पुलिस ने दोनों वाहनों से कुल लगभग 300 किलो गांजा जब्त किया, जिसकी बाजार कीमत करीब 1.50 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही इनोवा क्रिस्टा, मारुति एक्सएल-6 और पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। कुल जब्ती की कीमत लगभग 1.86 करोड़ रुपये बताई गई है।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल कश्यप निवासी बलरामपुर, रिंकु कश्यप निवासी सरगुजा तथा धर्मेन्द्र कुमार मौर्य निवासी अनूपपुर (मध्यप्रदेश) के रूप में हुई है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।पूछताछ में आरोपियों ने गांजा की खेप मध्यप्रदेश के अनूपपुर में अपने सहयोगियों तक पहुंचाने की जानकारी दी है। इसके बाद पुलिस ने पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाने के लिए विशेष टीम को मध्यप्रदेश और सरगुजा क्षेत्र में रवाना किया है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने कहा कि जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा तथा तस्करी से जुड़े पूरे नेटवर्क को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाएगी

कोचिंग फायरिंग मामले में बढ़ सकती हैं

खान सर की मुश्किलें

पटना । पटना में खान ग्लोबल स्टडीज कोचिंग पर फायरिंग मामले में खान सर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।मामले से जुड़े कई नए वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने बीते रोज दर्ज की गई एफआईआर में फैसल खान (खान सर) का नाम जोड़ दिया है।इसके साथ ही खान सर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है। कदमकुआं थाने में आर्म्स एक्ट और झूठी सूचना के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में जुटी है।टाउन डीएसपी-1 राजेश रंजन ने बताया कि फायरिंग की घटना को लेकर पुलिस को गलत जानकारी दी गई। इसी आधार पर आर्म्स एक्ट और झूठी सूचना देने का मामला दर्ज किया गया है।वहीं दोनों गार्ड को जेल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि कोचिंग के बाहर हुई फायरिंग के बाद बुलेट के पैलेट

5 जगहों पर मौत का तांडव, 7 साल के मासूम समेत 3 की गई जान, कई घायल

मैहर । मैहर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पहाड़ी के पास नेशनल हाईवे-30 पर गुरुवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसे में एक 7 वर्षीय मासूम बच्ची समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। इनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, अमरपाटन निवासी एक परिवार अपने एक परिजन को रेलवे स्टेशन छोड़ने गया था। सभी लोग बोलेरो वाहन से वापस अमरपाटन लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम पहाड़ी के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे बोलेरो पलटते हुए गहरी खाई में जा गिरी।

हादसा इतना भीषण था कि वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तत्काल एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

हादसे में जुली पटेल (7 वर्ष), पिता उमेश पटेल, निवासी अमरपाटन तथा भूपेन्द्र पटेल (70 वर्ष), पिता मुन्ना पटेल, निवासी अमरपाटन की मौत हो गई। वहीं वाहन में सवार अन्य आठ लोग घायल हो गए हैं। घायलों में तीन लोगों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए रेफर किए जाने की जानकारी सामने आई है।

बताया जा रहा है कि बोलेरो में 10 से अधिक लोग सवार थे। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण वाहन का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।इछावर थाना क्षेत्र में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। यहां एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल की नाजुक हालत को देखते हुए उसे प्राथमिक उपचार के बाद भोपाल रेफर किया गया है।जानकारी के अनुसार, प्रकाश नायक अपने दोस्त भोला के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उनकी बाइक आगे चल रही रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।सतना। जिले के कोठी थाना क्षेत्र के सोनौर मोड़ में एक यात्री बस टायर फटने से पलट गई, जिसमें करीब 30 लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बनी हुई है।दरअसल, चित्रकूट से सतना जा रही यात्री बस शुक्रवार को कोठी के सोनौर मोड़ में बस का टायर फटने से पलट गई। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों ने बचाव कार्य शुरू करने के साथ ही पुलिस को भी सूचना दे दी थी। मौके पर पहुंची कोठी थाना पुलिस ने 30 घायल यात्रियों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोठी भेजा, जहां घायलों का उपचार किया जा रहा है।

धार। इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर खरेली घाट में एक यात्री बस व कंटेनर में भिड़ंत हो गई। हादसे में कुछ यात्रियों को चोट आई है। घटना के बाद अफरा-तफरा भी मच गई थी। अमझेरा थाना पुलिस ने मौके पर पहुँचकर फोरलेन पर यातायात सुचारू करवाया।जानकारी के मुताबिक शुक्रवार सुबह इंदौर से झाबुआ की ओर जा रही यात्री बस क्रमांक रूक्क 45 त्र 9950 की अमझेरा थाना क्षेत्र

दिल्ली विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर की फ्लैट के अंदर हत्या, बाहर से बंद था घर

नईदिल्ली। दिल्ली के वसुंधरा एनक्लेव इलाके में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की एक सहायक प्रोफेसर की हत्या कर दी गई है। उनका शव गुरुवार को फ्लैट के अंदर खून से लथपथ हालत में मिला। प्रोफेसर की पहचान 42 वर्षीय देवोस्मिता पॉल के रूप में हुई। वह शिवाजी कॉलेज में अंग्रेजी की सहायक प्रोफेसर थीं और पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित सत्यम अपार्टमेंट्स में अकेली रहती थीं। पुलिस को घटना की सूचना देवोस्मिता की बहन देवराती पॉल (49) से मिली थी।मयूर विहार निवासी देवराती ने पुलिस को बताया कि उन्होंने दोपहर ढाई बजे अपनी बहन को कई बार फोन किया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। वह चिंतित होकर अपार्टमेंट पहुंची तो उनके फ्लैट का दरवाजा बाहर से बंद था। उन्होंने अनहोनी की आशंका से सोसाइटी निवासियों की मौजूदगी में फ्लैट का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो कमरे में बिस्तर पर देवोस्मिता का खून से लथपथ शव पाया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला प्रोफेसर के सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया है, जबकि उनकी कलाई और शरीर पर धारदार हथियार से कटने के निशान हैं। पुलिस ने बताया कि घर में जबरन घुसने का कोई सबूत नहीं मिला

है, जिससे पता चलता है कि आरोपी महिला को जानता था। महिला फ्लैट में अकेली रहती थी। उनके पति बेंगलुरु में हैं और माता-पिता दिल्ली में ही रहते हैं।

पुलिस ने बताया कि महिला प्रोफेसर का अपने पति से तलाक को लेकर मुकदमा चल रहा है। दोनों पिछले 4 साल से तलाक की कार्यवाही से गुजर रहे हैं। पुलिस ने घर पर किसी लूटपाट की संभावना को भी इनकार कर दिया है, क्योंकि महिला के कान में सोने की बालियां सही-सलामत मिली हैं और घर से कोई वस्तु गायब नहीं है। महिला का गुरुवार को कॉलेज में प्रमोशन इंटरव्यू निर्धारित था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुई।

रिपोर्ट के मुताबिक, महिला शिक्षक ने 2016 में जामिया मिलिया इस्लामिया से पीएचडी पूरी की थी। उन्होंने बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर और महाराजा अग्रसेन कॉलेज से स्नातक किया था। पुलिस ने उनके शव को संरक्षण और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा है और हत्या समेत कई मामलो में

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके का यू-टर्न, हवाई अड्डा न आने की अपील

नईदिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने पहले सार्वजनिक शक्ति प्रदर्शन से पहले अपने फैसले में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने 6 जून को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनके स्वागत के लिए आने वाली भीड़ को मना कर दिया है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर अपील किया कि भीड़ से आम लोगों को परेशानी हो सकती है, इसलिए वे सीधे हवाई अड्डे से संसद मार्ग स्थित पुलिस थाने जाकर विरोध-प्रदर्शन की अनुमति लेंगे।दिपके ने एक्स पर वीडियो जारी कर लिखा, 'शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए दिल्ली हवाई अड्डे पर जुड़ने की अपील पर मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स कल्पना से भी परे था। इतने सारे लोगों का हवाई अड्डे पर इकट्ठा होना मुमकिन नहीं, क्योंकि इससे जनता और सुरक्षा बलों को परेशानी होगी। इसलिए, कृपया हवाई अड्डा न आएं।' उन्होंने अपील की कि सीधे संसद मार्ग पुलिस थाने आएं, वहीं वह जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने की अनुमति लेंगे।

दिपके ने लोगों से अपील की कि शांति बनाए रखना और किसी भी तरह की अव्यवस्था से बचना है। उन्होंने कहा कि विरोधी इस आंदोलन को खारिज करने या बदनाम करने का मौका तलाश रहे हैं, जबकि पार्टी को उनको यह मौका नहीं देना है। बता दें, दिपके 6 जून को अमेरिका से दिल्ली आ रहे हैं और नीट पेपर लीक समेत शिक्षा व्यवस्था में खामियों के खिलाफ धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने वाले प्रदर्शन की अगुवाई करेंगे।

कला में कमाल, संस्कारों में बेमिसाल: हरियाणवी लोक गायिका काजल चौधरी बनीं कलियुगी श्रवण बहू

- 90 वर्षीय सास की इच्छा पूरी करने के लिए सिर पर उठाकर करवा रही हैं ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा

-चौ.दलवीर सिंह विद्रोही

आज के दौर में जहां रिश्तों में बढ़ती दूरियां, स्वार्थ और पारिवारिक विघटन की खबरें अक्सर सुर्खियां बनती हैं, वहीं हरियाणवी लोक गायिका काजल चौधरी ने अपने संस्कारों और समर्पण से एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसने लाखों लोगों का दिल जीत लिया है। उनकी यह पहल न केवल एक पारिवारिक दायित्व पूर्ति है, बल्कि भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आई है। कोसी कलां के तूमौला गावं की रहने बाली हरियाणवी लोक संगीत और रागनी की दुनिया में अपनी बुलंद आवाज और अनूठी प्रस्तुति से पहचान बना चुकी काजल चौधरी किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। महाभारत के प्रसंगों को अपनी गायकी से सजीव कर देने वाली काजल वर्षों से लाखों श्रोताओं के दिलों पर राज कर रही हैं। लेकिन इस बार वह अपनी कला नहीं, बल्कि अपने संस्कारों के कारण लोगों की चर्चा के केंद्र में हैं। दरअसल, काजल चौधरी इन दिनों अपनी 90 वर्षीय वृद्ध सास चन्द्री देवी को सिर पर टोकरे में बैठाकर ब्रज की पावन चौरासी कोस अर्थात 252 किमी दूरी की पैदल ब्रज परिक्रमा करवा रही हैं। वृद्धावस्था के कारण उनकी सास स्वयं परिक्रमा करने में असमर्थ थीं, लेकिन उनके मन में एक बार ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा करने की उनकी प्रबल इच्छा थी। बहू काजल ने उनकी इस

इच्छा को भांप आगे बढ़कर उसे अपना कर्तव्य मानते हुए ऐसा कठोर संकल्प ले डाला, जिसकी कल्पना भी आज के समय में विरले ही लोग कर पाते हैं। शायद इस लिए कि सास चन्द्री देवी का इकलौता पुत्र जो कि अब इस दुनिया में नहिं है, फिर ऐसे में सास की इच्छा को कौन पूरी करेगा।

फिर क्या ! काजल ने अपनी सास को सिर पर एक प्लास्टिक के टब में बिठाकर निकल पड़ी एक नई कठिन राह पर। आज न केवल वह परिक्रमा मार्ग की कठिनाइयों को स्वीकार मुकाम की ओर निरन्तर आगे बढ़ रही है , बल्कि यह भी साबित कर दिया कि रिश्ते केवल निभाए नहीं जाते, बल्कि सम्मान, त्याग और समर्पण से जीवंत रखे जाते हैं। तेज धूप, 252 किमी की लंबी दूरी और शारीरिक थकान के बावजूद उनका यह सफर निरंतर जारी है।

सोशल मीडिया पर इस अनोखी भक्ति और सेवा के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं। परिक्रमा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालु और स्थानीय लोग उनका स्वागत एवं सम्मान कर रहे हैं। लोग उन्हें ₹कलियुगी श्रवण बहू₹ कहकर संबोधित कर रहे हैं। जिस प्रकार पौराणिक कथा में श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता की सेवा को सर्वोपरि माना था, उसी प्रकार काजल चौधरी ने अपनी वृद्ध सास की इच्छा को अपना धर्म समझकर पूरा करने का बीड़ा उठाया है। यह घटना केवल एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए संदेश है। ऐसे समय में जब सास-बहू के रिश्तों को अक्सर विवाद और कटुता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, काजल चौधरी ने यह दिखा दिया है कि यदि रिश्तों में सम्मान और अपनापन हो तो वही संबंध प्रेरणा का स्रोत बन जाते हैं। ब्रज की पावन धरा पर चल रही यह 252 किलोमीटर ब्रज परिक्रमा वास्तव में भारतीय संस्कृति, मातृसेवा और पारिवारिक मूल्यों की परिक्रमा बन चुकी है। जिसमें हरियाणवी लोक गायिका काजल चौधरी ने यह साबित कर दिया है कि महानता केवल मंच पर तालियां बटोरने से नहीं मिलती, बल्कि जीवन में अपने फर्ज - कर्तव्यों को निभाने से मिलती है। कला में कमाल और संस्कारों में बेमिसाल काजल चौधरी आज हजारों परिवारों के लिए प्रेरणा का नाम बन चुकी हैं।

उनकी यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देती है कि आधुनिकता चाहे जितनी बढ़ जाए, लेकिन अपने बुजुर्गों के सम्मान और उनकी इच्छाओं को पूरा करने से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता।

!! जिस समय में बुजुर्ग माता-पिता को लोग बोझ समझ वृद्धाश्रमों का रास्ता दिखाने से नहीं हिचकिचा रहे हैं, ऐसे समय में कोसी कलां की बहू काजल चौधरी ने अपनी 90 वर्षीय सास चन्द्री देवी को सिर पर टोकरे में बैठाकर बृज 84 कोस (252 किमी) की कठिन परिक्रमा कराने का संकल्प लेकर पूरे समाज के सामने एक ऐसा अनूठा उदाहरण पेश किया है, जिसने रिश्तों की परिभाषा ही बदल दी है। यह केवल परिक्रमा नहीं, बल्कि बुजुर्गों के सम्मान, सेवा और भारतीय संस्कारों की ऐसी यात्रा है, जिसने साबित कर दिया कि पुत्रधर्म से कहीं बढ़कर, बहू का फर्ज भी हो सकता है।

सपा जिलाध्यक्ष ने किया निष्कासन

मथुरा। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने अड़ींग निवासी सोनू यादव को पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते पार्टी से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने सोनू के आपराधिक इतिहास के अलावा सोस्यल मीडिया पर पार्टी विरोधी पोस्ट करने के चलते यह कदम उठाया है। निष्कासन की सूचना प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महामंत्री को भेज दी है। निष्कासन को पार्टी की साफ-सफाई की कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है। जिलाध्यक्ष ने सोनू को आजाद समाज पार्टी से जुड़ा होने के अलावा उनकी आपराधिक छवि की जानकारी होने पर यह कदम उठाया है।

बाजार में जाम का झाम, दुकानों के आगे अतिक्रमण और सडक पर बेतरतीब खडे वाहन

कोसीकलां। नगर के मुख्य बाजारों में अतिक्रमण और सडक पर खडे वाहनों के कारण रोजाना घंटों जाम लग रहा है। खरीददार दुकानों के ठीक सामने सडक पर बाइक-कार खडी कर दुकानों में खरीदारी करने चले जाते हैं। वहीं दुकानदारों ने भी

दुकानों के आगे टीन-शेड और सामान रखकर आधे से ज्यादा सडक घेर रखी है। हैरानी की बात है कि मुख्य बाजार से दिनभर पुलिस और पालिका अधिकारियों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन अतिक्रमण और सडक पर खडे वाहनों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह पुलिस की लापरवाही है या फिर वह कार्रवाई करना ही नहीं चाहती। दुकानदार राकेश कुमार ने बताया कि ग्राहक दुकान के आगे बाइक लगा देता है। मना करो तो झगडे पर उतारू हो जाता है। पुलिस चालान काटे तो ही डर बैठे। थाना पूर्ति के लिए चलता है अभियान पुलिस कभी-कभार वाहन चेकिंग अभियान चलाकर सिर्फ थाना पूर्ति कर लेती है। जब अभियान चलता है तो पूरा बाजार एकदम साफ नजर आता है। अभियान हटते ही फिर वहीं हाल हो जाता है। इससे साफ है कि पुलिस चाहे तो जाम की समस्या खत्म हो सकती है, लेकिन स्थायी कार्रवाई नहीं होती। प्रशासन से मांग व्यापार नेता अंकित मालविया और स्थानीय लोगों ने मांग की है कि बाजार में स्थायी रूप से यातायात पुलिस तैनात की जाए। दुकानों के आगे सफेद पट्टी खींचकर नो-पार्किंग जोन बनाया जाए और अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों व सडक पर वाहन खडे करने वालों के खिलाफ रोजाना चालान की कार्रवाई हो। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी कमलेश कुमार ने कहा कि जल्द ही पालिका अधिकारियों के साथ मिलकर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। दुकानदारों और वाहन स्वामियों को पहले चेतावनी दी जाएगी, फिर चालान किए जाएंगे।

हमारी जनगणना - हमारा विकास

उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह ने ब्लॉक चौमुंहा एवं नंदगांव के 55 प्रगणको को जनगणना 2027 का कार्य पूर्ण करने हेतु प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य दिनांक 20 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। प्रगणक घर-घर जाकर प्रत्येक मकान का विस्तृत विवरण संकलित कर रहे है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सभी जनपदवासियों से अनुरोध किया है कि प्रगणक का सहयोग करे और सही-सही सूचनाएं भरवाएं। जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, आधार-भूत सुविधाओं के विस्तार एवं जनकल्याणकारी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मथुरा 02 जून 2026/ जनगणना-2027 के प्रथम चरण, अर्थात मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य दिनांक 20 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है। इस चरण के अंतर्गत नियुक्त प्रगणक घर-घर जाकर प्रत्येक मकान का विस्तृत विवरण संकलित कर रहे है। सर्वेक्षण के दौरान मकानों की नंबरिंग, भवन की स्थिति, उपलब्ध मूल-भूत सुविधाओं तथा अन्य आवश्यक जानकारियों का

संकलन किया जा रहा है। आज दिनांक 02 जून 2026 को उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार सिंह ने जनगणना 2027 के अंतर्गत दिए गए कार्यों को पूर्ण करने वाले ब्लॉक चौमुंहा एवं नंदगांव के 55 प्रगणको को सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी को प्रशस्ति पत्र एवं पटुका पहनाकर सम्मानित किया। जनपद में विभिन्न महत्वपूर्ण शासकीय एवं सार्वजनिक स्थलों पर मकानों/भवनों की गणना एवं क्रमांकन की कार्यवाही संपादित की जा रही है। विभिन्न सुपरवाइजरों एवं प्रगणको द्वारा स्वगणना के अंतर्गत भरे गए आंकड़ों की पुष्टि की जा रही है तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मकान सूचीकरण एवं मकान गणना का कार्य संपादित किया जा रहा है। जनगणना राष्ट्र निर्माण की अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसे पूर्ण शुद्धता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित किया जाना आवश्यक है। जनपद में जनगणना की समीक्षा एवं निगरानी हेतु 98 सेक्टर मजिस्ट्रेटों एवं 9 जोनल मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। जिले में 4773 मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाये गये है तथा कार्य संपादित करने के लिए लगभग 4600 प्रगणक एवं 770 पर्यवेक्षक लगाये गये हैं। जनगणना निदेशालय लखनऊ से जिला प्रभारी श्री मृगेंद्र बहादुर सिंह एवं सह जिला प्रभारी श्री अभिषेक पांडे को नियुक्त किया गया है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने समस्त प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को निर्देशित किया है कि जनगणना के कार्य को पूर्ण सावधानी, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ सम्पन्न कराया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी घर गणना से वंचित न रहे तथा किसी भी मकान का दोहराव न हो। यह प्रक्रिया केवल मकानों एवं उनमें उपलब्ध सुविधाओं के आंकड़ों के संकलन से संबंधित है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें तथा सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करें। जनगणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, आधार-भूत सुविधाओं के विस्तार एवं जन-कल्याणकारी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जैत पुलिस ने 5 किलो गांजे के साथ दो तस्करों को दबोचा, स्कूटी जब्त

चौमुहां। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में जैत थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गश्त के दौरान दो अभियुक्तों को सवा पांच किलो के करीब अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। तस्कर

स्कूटी पर बैग में रखकर नशे की खेप ले जा रहे थे। जानकारी के अनुसार, जैत थाना पुलिस मंगलवार (2 जून) को क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए गश्त पर थी। इसी दौरान दोपहर करीब 1:10 बजे छरौरा गांव के पास पुलिस टीम को एक संदिग्ध स्कूटी (संख्या वढ85उ5758) आती दिखाई दी। पुलिस ने जब स्कूटी रोककर तलाशी ली, तो उनके बीच रखे काले रंग के थैले से 5 पैकेट बरामद हुए, जिनमें कुल 5 किलो 144 ग्राम अवैध गांजा भरा हुआ था। पुलिस की पूछताछ में पकड़े गए अभियुक्तों ने अपनी पहचान राधा गोविन्द (42 वर्ष) निवासी गोविन्द कुंड टीला, वृन्दावन और कुलदीप (31 वर्ष) निवासी संत कॉलोनी, वृन्दावन के रूप में बताई है। पुलिस ने अभियुक्तों के पास से बरामद गांजा और तस्करी में प्रयुक्त स्कूटी को कब्जे में ले लिया है। थाना जैत पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह गांजा कहाँ से लाए थे और इसकी सप्लाई कहाँ की जानी थी।

मां को भेजी आखिरी रिकॉर्डिंग से फंसा हत्यारोपी: युवती को वॉट्सऐप कॉल कर बोला– तुम तैयारी कर लो, 15 मिनट में पहुंच रहे

संवाददाता

कानपुर। बर्रा से लापता युवती का गला दबाकर हत्या करने के मामले में पुलिस के हाथ एक अहम सबूत लगा है। हत्या के दिन यानी 21 मई को हॉस्पिटल संचालक देवकांत उत्तम के भतीजे विवेक ने युवती को वॉट्सऐप कॉल कर बुलाया था। दोनों के बीच 3 मिनट 12 सेकेंड तक बात हुई थी। बातचीत के दौरान विवेक ने 15 मिनट में पहुंचने की बात कहते हुए युवती को बरगला कर बर्रा बाइपास बुलाया था। इसके बाद आरोपी उसे स्कॉर्पियो में बिठाकर ले गए थे। दोनों के बीच वॉट्सऐप कॉल पर हुई आखिरी बातचीत का ऑडियो युवती की मां ने पुलिस को सौंपा है। मां का कहना है कि हॉस्पिटल संचालक की शिकायत करने के बाद बेटी को अपनी जान का खतरा सता रहा था, जिसके बाद से वह विवेक और देवकांत से हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग उसे शेयर करती थी। बर्रा बाइपास जाने से पहले भी युवती ने विवेक की रिकॉर्डिंग अपनी मां को

भेजी थी। स्कॉर्पियो में पीछे छिपकर बैठा था देवकांत युवती दोपहर 1:06 बजे घर से निकली और फिर करीब 1:17 बजे बाइपास पर पहुंच गई, जहां विवेक स्कॉर्पियो लेकर उसका इंतजार कर रहा था। युवती जैसे ही बैठी तो विवेक ने भौंती की ओर स्कॉर्पियो दौड़ा दी। इसी बीच साजिश के तहत छिपकर बैठे देवकांत ने स्कॉर्पियो के अंदर ही रस्सी से गला घोंटकर युवती की हत्या कर दी। इसके बाद शव को लेकर दोनों भौंती बाइपास से एलीवेटेड पुल से होते हुए उन्नाव के शेखपुर में अपने निर्माणाधीन अस्पताल में लेकर पहुंचे, जहां देवकांत स्कॉर्पियो से उतर गया। देवकांत के कहने पर अस्पताल में तैनात सिक्योरिटी गार्ड अजीत सिंह भी शव को ठिकाने लगाने के लिए राजी हो गया। फिर विवेक के साथ स्कॉर्पियो लेकर गंगा एक्सप्रेसवे के रास्ते बुलंदशहर पहुंचे। 22 मई की रात दोनों आरोपी जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के खालोर गांव स्थित आम के बाग में पहुंचे थे, जहां पर शव को निर्वस्त्र कर फेंका। युवती के कपड़ों को नहर में फेंक दिया था, ताकि पहचान न हो सके।

नाटकीय था थाने में सरेंडर, साथ पहुंचे थे समर्थक इस पूरे मामले में हत्यारोपी देवकांत उत्तम का नाटकीय ढंग से सरेंडर करना चर्चा में आ गया है। देवकांत बकायदा कार से थाने के गेट तक पहुंचता है, जहां उसकी अगवानी के लिए बर्रा इंस्पेक्टर रविंद्र कुमार श्रीवास्तव खुद थाने के गेट पर खड़े होते है। कार का गेट खुलते ही वह देवकांत को लेने के लिए आते हैं, जिसका वीडियो सामने आया है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि देवकांत किस तरह से अपने एक साथी के साथ कार से थाने के मेनगेट में न पहुंचकर दूसरे गेट पर पहुंचता है, जिसे वेलकम करने के लिए भी थानेदार हंसते हुए अकेले गेट के बाहर आते हैं। सबसे पहले आरोपी का साथी ड्राइविंग सीट से उतरता है और फिर पीछे की सीट से मुख्य आरोपी बाहर आता है। उसके बाहर आते ही आसपास मौजूद हत्यारोपी के समर्थक भी एक–एक करके थानेदार के पास पहुंच जाते हैं। कुछ देर आपस में बातचीत के बाद थानेदार हत्यारोपी और उसके साथ कार से पहुंचे साथी को लेकर उसी रास्ते से लेकर फिर अपने कार्यालय में पहुंचते हैं। ये वीडियो कहीं न कहीं पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाता है।

हॉस्पिटल संचालक बेटे की करतूत सुन पिता की चली गई जान युवती के शारीरिक शोषण का आरोप लगाने की जानकारी हॉस्पिटल संचालक के पिता सुरजन प्रसाद को भी हो चुकी थी, जिसके बाद से वह सदमे में थे। इसी सदमे आकर 31 मई को उनका निधन हो गया था। इस दौरान आरोपी अपने गांव भी गया और पिता का अंतिम संस्कार भी किया। इसके बावजूद पुलिस उसे पकड़ नहीं सकी थी।

मेस्टन रोड में नशेबाजी के विवाद में मजदूर की हत्या

संवाददाता

कानपुर। मूलगंज में नशेबाजी के दौरान हुए विवाद में 35 वर्षीय मजदूर की हत्या कर आरोपी फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने मजदूर का रक्तरंजित शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर जांच पड़ताल की। पुलिस ने दुकानदार जिलानी बाबू की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया। साथ ही देर रात हत्यारोपी को गिरफ्तार किया। मेस्टन रोड स्थित इंदिरा गांधी मूर्ति के पास बुधवार को फुटपाथ पर युवक का शव मिला था। स्थानीय लोगों ने मूलगंज पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर घटनास्थल पर जांच पड़ताल की। शव की पहचान के लिए आस–पास के दुकानदारों से पूछा। प्रारंभिक जांच में केवल यह सामने आया कि मृतक बाजार में रहकर मजदूरी करता था और नशे का लती था। फिलहाल पहचान नहीं हो सकी। एसीपी कोतवाली आशुतोष सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक का कुछ दिन पहले एक दूसरे मजदूर से किसी तरह को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद पुलिस टीम ने संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। साथ मजदूर आरोपी अशर्फी उर्फ हड़बड़िया ने पूछताछ के दौरान नशेबाजी के विवाद में हत्या की बाद कबूली है। फिलहाल आलाकत्ल तलाश कराने का प्रयास किया जा रहा है।

चोरी के दौरान भागने पर की थी हिस्ट्रीशीटर की हत्या

संवाददाता

कानपुर। ग्वालटोली थाने के हिस्ट्रीशीटर मो. जाहिद उर्फ खूंटी की हत्या के मामले में गुरुवार देर रात रेलबाजार पुलिस ने उसके साथी हिस्ट्रीशीटर राजू करिया को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी ने चोरी के माल के बंटवारे और एक घटना के दौरान जाहिद के मौके से भाग जाने के कारण हत्याकांड को अंजाम दिया था। पुलिस ने आरोपी को प्राथमिक इलाज के लिए भेजा है। टाटमिल चौराहे के पास मिला था रक्तरंजित मिला था हिस्ट्रीशीटर ग्वालटोली मकबरा निवासी 35 वर्षीय हिस्ट्रीशीटर मो. जाहिद उर्फ खूटी शनिवार को रक्तरंजित हालत में टाटमिल चौराहा स्थित कृष्णा हास्पिटल के पास मिला था। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर उसे इलाज के लिए हैलट अस्पताल भेजा था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद हिस्ट्रीशीटर के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्जकर मामले की जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि उसकी बादशाहीनाका के हिस्ट्रीशीटर राजू कश्यप उर्फ राजू करिया ने की थी। पुलिस आरोपी को तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। देर रात रेलबाजार पुलिस सीओडी पुल के पास चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने आरोपी राजू करिया को पकड़ने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।